ई-बसों के हब औद्योगिक विकास के मानक बने

चर्चा

लखनऊ, वसं। कभी 1990 के दशक में टाटा मोटर्स (तत्कालीन टाटा टेल्को) प्लांट की स्थापना के समय स्व. रतन टाटा लखनऊ आए थे। तब उन्होंने कहा था कि, यूपी में अग्रणी राज्य बनने की अपार संभावनाए हैं। आज यूपी अग्रणी राज्य बन चुका है। पिछले साल चिनहट स्थित प्लांट से 900000 वां वाहन बाहर निकला तो जश्न मना। लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन ने पद्म विभूषण रतन टाटा की विरासत पर स्मृति भवन गोमती नगर में पैनल चर्चा हुई।

इस मौके पर वक्ताओं ने टाटा समूह की कंपनियों और योगदान पर चर्चा की। टाटा की ओर से यूपीएसआरटीसी को 40 इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाई की गई है। इस कार्यक्रम में दक्षिण कोरिया के टाटा देवू के पूर्व उपाध्यक्ष सीवी सिंह ने कहा कि ई बसों सहित अत्याधुनिक कारखानों की स्थापना कर के समूह ने यूपी के औद्योगिक विकास में बेहतर योगदान दिया है। चर्चा की शुरुआत एलएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एके माथुर ने की। कार्यक्रम में यूपी के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और जयपुरिया संस्थान की निदेशक डॉ. कविता पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई।